लोक सभा सचिवालय
शोध एवं सूचना प्रभाग

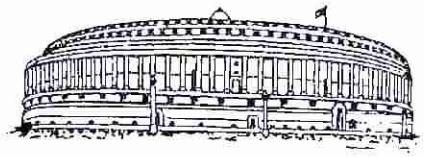

सूचना बुलेटिन

सं. लार्डिस (ई एंड एस)2014/आईबी-4 जून 2014

आम चुनाव. 2014

संविधान के अनुच्छेद 324 में उपबंध किया गया है कि निर्वाचनों के अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण निर्वाचन आयोग में निहित होगा । लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 14 और 15 में संबंधित सभा का कार्यकाल समाप्त होने से छः माह की अवधि के भीतर किसी समय लोक सभा और राज्य विधान सभाओं के लिए आम चुनाव आयोजित करने का उपबंध किया गया है । चूंकि 15वीं लोक सभा जिसकी पहली बैठक 01 जून, 2009 को आयोजित हुई थी, का पांच वर्ष का कार्यकाल 31 मई, 2014 तक था, इसलिए 16वीं लोक सभा का गठन करने हेतु अप्रैल और मई 2014 के महीनों में आम चुनाव कराए गए थे । 800 मिलियन से अधिक मतदाताओं ने लगभग एक मिलियन मतदान केन्द्रों पर मतदान किया जिन पर लगभग एक मिलियन सिविल और पुलिस बलों के अलावा लगभग पांच मिलियन मतदान कर्मी तैनात थे । मतदान 9 मतदान दिवसों अर्थात् 7,9,10,12,17, 24 और 30 अप्रैल, 2014 तथा 7 और 12 मई, 2014 को हुआ था । परिणाम 16 मई, 2014 को घोषित किए गए थे ।

निर्वाचन परिदृश्य

834,101,479 पंजीकृत निर्वाचकों में से पुरूष निर्वाचकों की संख्या 52.4 प्रतिशत है जबकि महिला निर्वाचकों की संख्या 47.6 प्रतिशत है । पूर्णाकों में, कुल 834,101,479 निर्वाचकों में से 2014 के आम चुनाव में 66.4 प्रतिशत अर्थात् 553,801,801 लोगों ने मतदान किया। 14 फरवरी, 2014 की स्थिति के अनुसार 18 और 19 वर्ष के बीच की आयु के निर्वाचकों की अनुमानित संख्या 23,161,296 थी और यह 2009 में कुल निर्वाचकों के 0.75 प्रतिशत की तुलना में 2.84 प्रतिशत है । 1951-52 में हुए पहले आम चुनाव में निर्वाचकों की कुल संख्या 173,212,343 थी ।

कुछ रोचक तथ्य

सबसे अधिक आयु वाले सदस्य	श्री एल के आडवाणी (86 व-र्)
सबसे कम आयु वाले सदस्य	श्री दु-यंत चौटाला (26 व-र्)
विजयी सदस्य को प्राप्त सर्वाधिक मत	श्री रामचरण बोहारा (863358 मत) जयपुर (राजस्थान)
विजयी सदस्य को प्राप्त सबसे कम मत	श्री मोहम्मद फैजल पीपी (21665 मत) लक्षद्वीप
मतों का सर्वाधिक अंतर	श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी-वडोदरा-570128 मत
मतों का सबसे कम अंतर	श्री थुपस्तान छेवांग-लद्दाख 36 मत
निर्वाचित संसद सदस्यों की औसत आयु	53.83
प्रवासी भारतीय मतदाताओं की कुल संख्या	13135
कुल मतदान के 50 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त करने वाले सदस्यों की संख्या	नोटा मत के बिना 206 नोटा मतों सहित 200
दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार	श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी और श्री मुलायम सिंह यादव

उत्तर प्रदेश में 13.90 करोड़ से अधिक निर्वाचकों अथवा रा-ट्रीय निर्वाचकों के 16.66 प्रतिशत के साथ निर्वाचकों की सर्वाधिक संख्या है जबकि सिक्किम में लगभग 3.71 लाख निर्वाचकों अथवा रा-ट्रीय निर्वाचकों के 0.04 प्रतिशत के साथ निर्वाचकों की सबसे कम संख्या है । इसके अतिरिक्त, पांच प्रमुख राज्यों अर्थात् उत्तर प्रदेश, बिहार, महारा-ट्र, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में निर्वाचकों की संख्या रा-ट्रीय निर्वाचकों का 49.1 प्रतिशत है, जबकि सबसे निचले पांच राज्यों अर्थात् सिक्किम, मिजोरम, अरूणाचल प्रदेश, गोवा और नागालैंड में देश के कुल निर्वाचकों का 0.49 प्रतिशत है ।

28 राज्यों और सात संघ राज्य क्षेत्रों में से, 21 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में महिला निर्वाचकों का प्रतिशत रा-ट्रीय औसत 47.6 प्रतिशत से अधिक है । सात राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों नामतः अरूणाचल प्रदेश, गोवा, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और पुडुचेरी में महिला निर्वाचकों की संख्या पुरून निर्वाचकों की संख्या से अधिक है । केरल में महिला निर्वाचकों का सर्वोच्च अनुपात है उसके बाद अधिक अनुपात पुडुचेरी में है ।

किन्नरों को पहली बार "अन्य " के रूप में लिखे लिंग के साथ मतदाता सूची में शामिल करने की अनुमति दी गई । 14 फरवरी, 2014 की स्थिति के अनुसार इस श्रेणी में नामांकित निर्वाचकों की अनुमानित संख्या 28,314 है । 17 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में "अन्य " में ऐसे निर्वाचकों की संख्या सर्वाधिक है, उसके पश्चात् उत्तर प्रदेश का नंबर आता है । वर्तमान मतदाता सूची में कुल 13,135 प्रवासी निर्वाचकों को दर्ज किया गया है । लोक प्रतिधित्व अधिनियम, 1950 में व-र् 2010 में संशोधन कर भारत के उन नागरिकों को मतदान का अधिकार प्रदान किया गया जो अपनी नौकरी, शिक्षा अथवा अन्य किसी कारण से भारत में अपने सामान्य निवास स्थान में मौजूद न हों । इसके अलावा, सेनाओं से संबंधित 13,28,621 निर्वाचक हैं ।

निर्वाचन संबंधी आंकड़ेः तथ्यात्मक विवरण

निर्वाचकों की कुल सं.	834,101,497
मतदान करने वाले निर्वाचकों की कुल संख्या	553,801,801(66.4 प्रतिशत)
पुरून और महिला मतदाताओं की कुल संख्या	293,236,779 (पुरू-न(67.09 प्रतिशत), 260,565,022(महिला(65.63 प्रतिशत)
सबसे अधिक निर्वाचकों की संख्या वाला निर्वाचन क्षेत्र	मलकाजगिरी (आंध्र प्रदेश) 3,183,325
सबसे कम निर्वाचकों की संख्या दर्शाने वाला निर्वाचन क्षेत्र	लक्षद्वीप, 49,922
सर्वाधिक उम्मीदवारों वाला संसदीय निर्वाचन क्षेत्र	चेन्नै दक्षिण (42 उम्मीदवार)
सबसे कम निर्वाचकों वाला मतदान केन्द्र	10 से कम अथवा समान निर्वाचकों के साथ 18
सर्वाधिक महिला उम्मीदवारों वाला राज्य	उत्तर प्रदेश (126 उम्मीदवार)
सबसे कम महिला उम्मीदवारों वाला राज्य	मेघालय, दादरा और नगर हवेली (प्रत्येक में 1 उम्मीदवार)
मतदान केन्द्रों की संख्या	2009 में 8,30,866 की तुलना में 9,28,237 मतदान केन्द्र, 11.7 प्रतिशत की वृद्धि
चुनाव में प्रयुक्त ईवीएम की संख्या	बैल्ट यूनिट-1339402, कंट्रोल यूनिट-1029513 कुल 2368915)

परिणाम

2014 के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 282 सीटें जीतीं । भारतीय रा-ट्रीय कांग्रेस (भाराकां) ने 44 सीटें प्राप्त कीं । भाजपा ने पहली बार अपने दम पर बहुमत प्राप्त किया और यह दूसरी बार ही है जब एक गैर-कांग्रेस दल ने स्वयं बहुमत हासिल करने में सफलता प्राप्त की ।

इस व-र्न के लोक सभा चुनावों में पंजीकृत राजनैतिक दलों की संख्या 1687 थी । तथापि, इनमें से 464 दलों ने चुनाव में भाग लिया । पहले आम चुनाव में केवल 53 दलों ने भाग लिया था । इस संख्या में निरंतर भारी वृद्धि होती रही और 1996 के चुनावों में 209 पर पहुंच गई । यह आंकड़ा 2009 के संसदीय चुनावों में 363 पर पहुंच गया था ।

कुल 8251 उम्मीदवारों ने चुनाव में भाग लिया, जिनमें 668 महिलाएं थीं और 7578 पुरु-न थे । चुनावों में पांच किन्नरों ने भी भाग लिया था । आम चुनाव 2014 में महिलाओं की जीत का प्रतिशत 9.13 है, जबकि पुरु-नों का 6.36 प्रतिशत है । प्रति सीट उम्मीदवारों की औसत संख्या 15.2 है ।

अखिल भारतीय परिणाम - आम चुनाव, 2014

क्र.सं.	दल	उम्मीदवारों की संख्या	जीते	सफलता का प्रतिशत	सीट प्रतिशत	मतदान प्रतिशत
1.	बहुजन समाज पार्टी (बसपा)	503	0	0	0	4.14
2.	भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)	428	282	65.89	51.93	31.0
3.	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा)	67	1	1.49	0.18	0.78
4.	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) भाकपा(मा)]	93	9	9.68	1.66	3.25
5.	भारतीय रा-ट्रीय कांग्रेस (भा.रा.कां.)	464	44	9.48	8.1	19.31

6.	रा-ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (रा.कां.पा.)	36	6	16.67	1.11	1.56
7.	आम आदमी पार्टी (आ.आ.पा.)	432	4	0.93	0.75	2.05
8.	अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र क-नगम (अ.भा.अ.द्र.मु.क.)	40	37	92.5	6.81	3.27
9.	आल इण्डिया एन.आर. कांग्रेस (ए.आई.एन.आर.सी.)	1	1	100	0.18	0.05
10.	अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (अ.भा.तृ.कां.)	131	34	25.95	6.26	3.84
11.	आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (ए.आई.यू.डी.एफ.)	18	3	16.67	0.55	0.42
12.	बीजू जनता दल (बीजद)	21	20	95.24	3.68	1.71
13.	भारतीय रा-ट्रीय लोक दल (भा.रा.लो.द.)	10	2	20	0.37	0.51
14.	इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आई.यू.एम.एल.)	25	2	08	0.37	0.2
15.	जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (जे.के.पी.डी.पी.)	5	3	60	0.55	0.13
16.	जनता दल (सेक्युलर) [जद (से.)]	34	2	5.88	0.37	0.67
17.	जनता दल (यूनाइटेड) [जद (यू.)]	93	2	2.15	0.37	1.08
18.	झारखंड मुक्ति मोर्चा (झा.मु.मो.)	21	2	9.52	0.37	0.3
19.	केरल कांग्रेस (एम) [के.कां.(एम.)]	1	1	100	0.18	0.08
20.	लोक जनशक्ति पार्टी (लो.ज.श.पा.)	7	6	85.71	1.11	0.41
21.	नागा पीपुल्स फ्रंट (न.पी.पा.)	2	1	50	0.18	0.18
22.	नेशनल पीपुल्स पार्टी (ने.पी.पा.)	7	1	14.29	0.18	0.1
23.	पट्टालि मक्कल काची (पी.एम.के.)	9	1	11.11	0.18	0.33
24.	रा-ट्रीय जनता दल (राजद)	30	4	13.33	0.75	1.34
25.	क्रांतिकारी सोशलिस्ट पार्टी (क्रां.सो.पा.)	6	1	16.67	0.18	0.3
26.	समाजवादी पार्टी (सपा)	197	5	2.54	0.92	3.37
27.	शिरोमणि अकाली दल (शि.अ.द.)	10	4	40	0.75	0.66
28.	शिवसेना (शि.से.)	58	18	31.03	3.31	1.85
29.	सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एस.डी.एफ.)	1	1	100	0.18	0.03
30.	तेलंगाना रा-ट्र समिति (टे.रा.स.)	17	11	64.71	2.03	1.22
31.	तेलुगू देशम पार्टी (ते.दे.पा.)	30	16	53.33	2.95	2.55
32.	अखिल भारतीय मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लीमीन (ए.आई.एम.आई.एम.)	5	1	20	0.18	0.12
33.	अपना दल (अ.द.)	7	2	28.57	0.37	0.15
34.	रा-ट्रीय लोक समता पार्टी (रा.लो.स.पा.)	4	3	75	0.55	0.19
35.	स्वाभिमानी पक्ष (एस.डब्ल्यू.पी.)	2	1	50	0.18	0.2
36.	युवजन श्रमित रिथु कांग्रेस पार्टी (वाई.एस.आर.सी.)	38	9	23.68	1.66	2.53
37.	द्रविड़ मुनेत्र क-नगम (द्र.मु.क.)	35	0	0	0	1.74
38.	देसिया मुर्पोक्कु द्रविड़ क-नगम (डी.एम.डी.के.)	14	0	0	0	0.38
39.	झारखण्ड विकास मोर्चा (झा.वि.मो.)	16	0	0	0	0.29

40.	मारूमलारची द्रविड़ मुनेत्र क-गम (एम.डी.एम.के.)	07	0	0	0	0.26
41.	अखिल भारतीय फारवर्ड ब्लॉक (अ.भा.फा.ब.)	39	0	0	0	0.22
42.	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन [भा.क.पा. (मा.ले.) लि.]	82	0	0	0	0.18
43.	बहुजन मुक्ति पार्टी (ब.मु.पा.)	232	0	0	0	0.14
44.	निर्दलीय (निर्द.)	3235	3	0.09	0.55	3.02
45.	अन्य	--	--	---	--	2.81
46.	कुल	8251	543	100	100	98.92@
	नोटा मत					1.08
	कुल					100

@नोटा को छोड़कर

कुछ राज्यों में, राजनीतिक दलों के प्रदर्शन से कुछ रोचक तथ्य सामने आए हैं । ओडिशा में, बीजू जनता दल का रा-ट्रीय मतदान में हिस्सा केवल 1.71 प्रतिशत है, जबकि इसका सीटों में हिस्सा 3.68 प्रतिशत है । राज्य की 21 सीटों में से इसने राज्य में 44.1 प्रतिशत मत प्राप्त कर 95 प्रतिशत सीटें (20) हासिल की । अन्ना द्रमुक का रा-ट्रीय मत प्रतिशत 3.27 प्रतिशत है परंतु इसने 6.81 प्रतिशत सीट हासिल की हैं । इसने तमिलनाडु में 44.3 प्रतिशत मत प्राप्त कर 39 में से 37 सीटें जीती हैं । पश्चिम बंगाल में, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस ने, राज्य में 39.3 प्रतिशत मत प्राप्त कर 80.95 प्रतिशत सीटें हासिल की हैं । 3.84 प्रतिशत रा-ट्रीय मत प्राप्त करने वाले इस दल का सीटों में हिस्सा 6.26 प्रतिशत है ।

इस चुनाव की एक विशे-ता यह है कि कुछ दलों ने आनुपातिक रुप से अच्छा मत प्रतिशत प्राप्त किया है परंतु एक भी सीट जीत नहीं सके । ओडिशा में भारतीय रा-ट्रीय कांग्रेस ने 26 प्रतिशत मत प्राप्त किया परन्तु इसे कोई सीट नहीं मिली । जबकि भाजपा ने 21.5 प्रतिशत मत प्राप्त किया और एक सीट जीत ली । तमिलनाडु में, डी.एम.के. ने हालांकि राज्य में 23.6 प्रतिशत मत प्राप्त किया परन्तु इसे एक भी सीट नहीं मिली। जबकि भाजपा और पी.एम.के. को राज्य के क्रमशः 5.5 और 4.4 मत प्रतिशत के साथ एक-एक सीटें मिलीं । इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल में भा.क.पा. (मा.) राज्य के 22.7 प्रतिशत मत के साथ मात्र 2 सीट ही प्राप्त कर सकी । उत्तर प्रदेश में बसपा राज्य के 19.6 प्रतिशत मत के साथ एक भी सीट प्राप्त नहीं कर सकी । जबकि कांग्रेस को राज्य के 7.5 प्रतिशत मत के साथ दो सीटें प्राप्त हुईं ।

दलों का प्रदर्शन

राजनीतिक दल	543 में से जीती गईं सीटों की संख्या					
	2004		2009		2014	
	सीटों की संख्या	मत प्रतिशत	सीटों की संख्या	मत प्रतिशत	सीटों की संख्या	मत प्रतिशत
भाजपा	138	22.16	116	18.80	282	31.0
बसपा	19	5.33	21	6.17	0	4.14
भाकपा	10	1.41	4	1.43	1	0.78
भाकपा (मा.)	43	5.66	16	5.33	9	3.25
भारतीय रा-ट्रीय कांग्रेस	145	26.53	206	28.55	44	19.31
रा-ट्रवादी कांग्रेस पार्टी	9	1.80	9	2.04	6	1.56
राजद#	-	-	4	1.27	-	-
राज्यस्तरीय दल	159	28.90	146	14.39	182	31.33*
पंजीकृत (गैर-मान्यता प्राप्त) दल	15	3.96	21	16.82	16	5.37
निर्दलीय	5	4.25	9	5.20	3	3.02
नोटा	-	-	-	-	-	1.08

2009 में रा-ट्रीय दल

* अनंतिम

आम चुनाव 2014 के दौरान, चुनावी जंग में एक नए राजनीतिक दल, आम आदमी पार्टी ने देश भर में 400 से अधिक उम्मीदवारों को खड़ा किया । तथापि, यह केवल चार सीटें ही जीत सकी । परन्तु मत प्रतिशत के मामले में, दो राज्यों, दिल्ली और पंजाब में इसका प्रदर्शन प्रशंसनीय है । दिल्ली में, दिसम्बर, 2013 में सम्पन्न पिछले राज्य विधान सभा चुनाव में प्राप्त 29.49 प्रतिशत मत में वृद्धि कर इसने 32.9 प्रतिशत मत प्राप्त किया । यह दल इस बार भाजपा से निर्णायक रूप से हार गया क्योंकि भाजपा ने भी दिसम्बर, 2013 के 33.07 प्रतिशत से अपने मत प्रतिशत को बढ़ाकर 46.4 प्रतिशत कर लिया । 32.9 प्रतिशत के प्रभावशाली मत प्रतिशत के बावजूद, आम आदमी पार्टी को दिल्ली में एक भी सीट नहीं मिल पाई । पंजाब में आम आदमी पार्टी को लगभग 24.4 प्रतिशत मत प्राप्त हुए और इसने चार सीटें हासिल कीं ।

संयोगवश, यदि पिछले चुनाव से तुलना करें तो भाजपा, जिसने इस बार खुद के बल पर बहुमत हासिल किया है, के समान किसी अन्य दल ने, मात्र 31 प्रतिशत मत प्राप्त कर आधे से अधिक सीटें प्राप्त नहीं की हैं । किसी एक दल के बहुमत के लिए पिछला न्यूनतम मत प्रतिशत आम चुनाव 1967 में कुल वैध मतों का 40.78 प्रतिशत था, जब कांग्रेस ने 520 सीटों में से 283 सीटें प्राप्त कीं थीं ।

एक दल का बहुमत और मतों का प्रतिशत

आम चुनाव वर्ष	बहुमत प्राप्त करने वाला दल	कुल सीटें	जिन सीटों पर विजयी हुए	मतों का प्रतिशत
1951	भाराकां	489	364	44.99
1957	भाराकां	494	371	47.78
1962	भाराकां	494	361	44.72
1967	भाराकां	520	283	40.78
1971	भाराकां	518	352	43.68
1977	बीएलडी (जनता पार्टी)	542	295	41.32
1980	भाराकां	529	353	42.69
1984	भाराकां	514	404	49.10
2014	भाजपा	543	282	31.00

निर्दलीय उम्मीदवार

2014 के आम चुनाव में निर्वाचित निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या अब तक सबसे कम रही है । कुल 8251 उम्मीदवारों में से, 3235 निर्दलीय उम्मीदवार थे और इसमें से केवल 3 उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं । 2009 में हुए पिछले आम चुनावों में निर्दलीय उम्मीदवारों की कुल संख्या 3831 थी जिसमें से 9 निर्वाचित हुए थे । 1957 के आम चुनावों के दौरान अब तक सर्वाधिक 42 निर्दलीय उम्मीदवार निर्वाचित हुए थे । 1996 के आम चुनावों में सर्वाधिक 10636 निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था ।

जीत का अंतर

इस चुनाव में जीत के अंतर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है । निर्वाचकों की बढ़ती हुई संख्या के साथ, जीत के बड़े अंतर वास्तविक और अक्सर होने लगे हैं । 2009 के पिछले चुनाव में कांटे की टक्कर थी जिसका पता जीत के अंतर से चलता है । 2009 में 2 लाख से ज्यादा अंतर से जीतने वाली श्रेणी में 27 उम्मीदवार थे जबकि 2014 में 2 लाख से ज्यादा अंतर से 166 उम्मीदवार जीते हैं । 200 उम्मीदवार 50 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त कर विजयी रहे (और 206 उम्मीदवार नोटा मतों के साथ)।

आम चुनावों में जीत का अंतर

वोटों का अंतर	2014	2009	2004
0-99999	190	404	361
100000-199999	187	112	135
200000-299999	106	19	33
300000-399999	44	6	9
400000-499999	10	2	4
500000-600000	6	-	1
कुल सीटें	543	543	543

इन चुनावों में बड़ी संख्या में उम्मीदवारों की जमानत राशि जब्त हो गई है । 8251 उम्मीदवारों में से कुल 7000 उम्मीदवारों की जमानत राशि जब्त हो गई है । इस प्रकार औसतन हर सीट पर चुनाव लड़ रहे 15.2 उम्मीदवारों में से हर सीट पर केवल 2.5 उम्मीदवार ही अपनी जमानत बचा पाए हैं । 2014 के आम चुनावों में उन राजनीतिक दलों की एक सूची नीचे दी गई है जिनके 50 से अधिक उम्मीदवारों की जमानत राशि जब्त हो गई है:-

जमानत राशि की ज़ब्ती

दल का नाम	चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की संख्या	50 से अधिक उम्मीदवारों वाले राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों की संख्या जिनकी जमानत जब्त हुई	उम्मीदवारों का प्रतिशत जिनकी जमानत जब्त हुई
बहुजन मुक्ति पार्टी	232	232	100
सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट)	80	80	100
पीस पार्टी	51	51	100
भाकपा (माले) (लिबरेशन)	82	81	98.78
आम आदमी पार्टी	432	413	95.6
बहुजन समाज पार्टी	503	447	88.87
भाकपा	67	57	85.07
जनता दल (यूनाईटेड)	93	78	83.87
समाजवादी पार्टी	197	140	71.07
अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस	131	88	67.18
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी)	93	50	53.76
भारतीय रा-ट्रीय कांग्रेस	464	178	38.36
भारतीय जनता पार्टी	428	62	14.49
निर्दलीय	3235	3219	99.51

उपरोक्त में से कोई नहीं (नोटा) विकल्प

27 सितम्बर, 2013 को माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसरण में बैलट यूनिट (बीयू) पर अंतिम उम्मीदवार के नाम के नीचे उपरोक्त में से कोई नहीं (नोटा) बटन हेतु प्रावधान किया गया है, ताकि जो मतदाता किसी भी उम्मीदवार को मत नहीं देना चाहता हो वह नोटा के सामने वाला बटन दबाकर अपने विकल्प का प्रयोग कर सकता है। 2014 के आम चुनावों में नोटा मतों का प्रतिशत 1.08 प्रतिशत है । राज्यों में, सबसे ज्यादा नोटा मत मेघालय (2.80 प्रतिशत) में डाले गए, उसके बाद छत्तीसगढ़ (1.83 प्रतिशत) और गुजरात (1.76 प्रतिशत) का नंबर आता है । संघ राज्य क्षेत्रों में, पुडुचेरी में नोटा मतों की सर्वाधिक संख्या (3.01 प्रतिशत) रही, उसके बाद दादरा और नगर हवेली (1.79 प्रतिशत) और दमन और दीव (1.51 प्रतिशत) रहे । विद्यमान स्थिति यह है कि यदि नोटा विकल्प चुनने वाले मतदाताओं की संख्या किसी भी उम्मीदवार को प्राप्त मतों की संख्या से अधिक है, तो सबसे अधिक मत पाने वाला उम्मीदवार निर्वाचित घोनित किया जाएगा । यदि चुनावी मुकाबले में केवल एक ही उम्मीदवार है, तो निर्वाचन अधिकारी को चुनाव लड़ रहे

एकमात्र उम्मीदवार को निर्वाचित घोनित करना होगा और नोटा के विकल्प का प्रावधान जो कि चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों हेतु मत न देने के निर्णय को दर्शाता है ऐसे मामलों में प्रासंगिक नहीं होगा ।

महिला उम्मीदवारों का प्रदर्शन

2014 के आम चुनावों में रिकार्ड संख्या में महिला उम्मीदवारों ने भाग लिया और रिकार्ड संख्या में महिलाएं विजयी रहीं । चुनाव लड़ रहे कुल 8251 उम्मीदवारों में से, 668 महिलाएं थीं जो कि 8.1 प्रतिशत है । 2009 के आम चुनावों में निर्वाचित 59 महिलाओं की तुलना में इस बार रिकार्ड संख्या में 62 महिलाएं निर्वाचित हुई हैं । यह 543 निर्वाचित सीटों का 11.42 प्रतिशत है जबकि 88.58 प्रतिशत सीटों का प्रतिनिधित्व पुरूनों द्वारा किया जा रहा है । सबसे कम महिलाएं 1977 (19) में जीती थीं, उसके बाद 1971 (21) और 1952 (22) का नंबर आता है । 2014 के आम चुनावों में महिला विजेताओं की सर्वाधिक संख्या उत्तर प्रदेश में 13 रही । उसके बाद 12 विजेताओं के साथ पश्चिम बंगाल और 5-5 विजेताओं के साथ मध्य प्रदेश और महारा-ट्र का स्थान रहा ।

मतदान पैटर्न

पिछले पांच व-र्नों में जुड़े रिकार्ड 11.4 करोड़ मतदाताओं के साथ 2014 के आम चुनाव में अभी तक का सर्वाधिक 66.4 प्रतिशत मतदान रिकार्ड किया गया । इस चुनाव ने 1984 के चुनावों में हुए पिछले अधिकतम 64.01 प्रतिशत मतदान को पीछे छोड़ दिया । 2009 के चुनावों में मतदान का प्रतिशत 58.21 प्रतिशत रहा । सबसे कम मतदान अर्थात् 44.87 प्रतिशत 1951 में पहली लोक सभा के गठन के लिए आयोजित चुनावों में हुआ ।

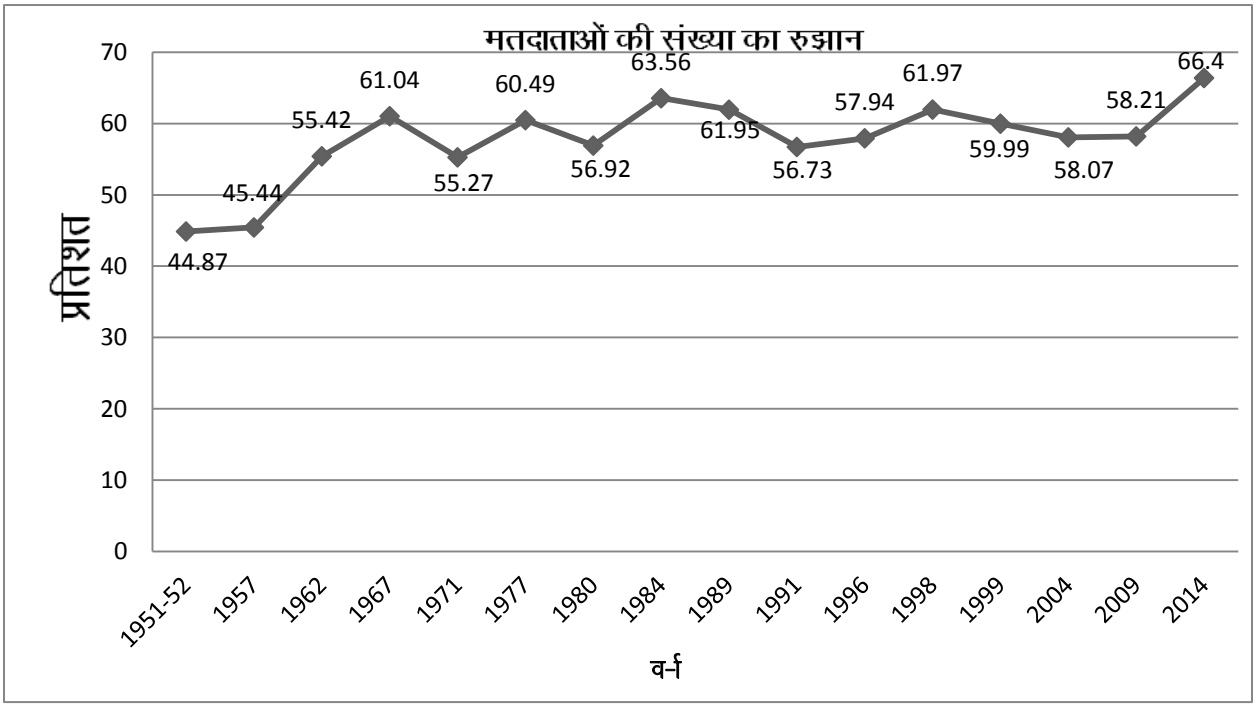

मतदान के संदर्भ में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला निर्वाचन क्षेत्र असम में धुबरी रहा, जहां सर्वाधिक 88.22 प्रतिशत मतदान रिकार्ड किया गया, उसके बाद 87.82 प्रतिशत के साथ नागालैंड दूसरे स्थान पर रहा । जम्मू और कश्मीर में श्रीनगर में सबसे कम - 25.90 प्रतिशत मतदान रिकार्ड किया गया, उसके बाद सबसे कम मतदान उसी राज्य में अनंतनाग में अर्थात् 28.84 प्रतिशत हुआ ।

नागालैंड में सबसे अधिक पुरून मतदाताओं (88.15 प्रतिशत) ने मतदान किया जबकि लक्षद्वीप में महिला मतदाताओं ने सर्वाधिक मतदान (88.42 प्रतिशत) किया । 15 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरूनों से अधिक मतदान (प्रतिशत में) किया । अरूणाचल प्रदेश, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, गोवा, ओडिशा और उत्तराखंड में यह अंतर दो प्रतिशत से अधिक था ।

चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव तथा लक्षद्वीप -चार संघ राज्य क्षेत्रों और बिहार, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडु और उत्तराखंड सात राज्यों में यद्यपि पुरून मतदाता अधिक हैं, फिर भी यहां महिला मतदाताओं ने पुरुन मतदाताओं की अपेक्षा अधिक मतदान किया । ब्यौरा निम्नवत हैः-

राज्य	पुरून निर्वाचक	पुरून मतदाता	पुरून मतदान का प्रतिशत	महिला निर्वाचक	महिला मतदाता	महिला मतदान का प्रतिशत
बिहार	34,092,938	18,779,230	55.08	29,668,858	17,106,136	57.66
चंडीगढ़	333,621	244,956	73.42	281,593	208,499	74.04
दादरा और नगर हवेली	106,215	87,800	82.66	90,402	77,486	85.71
दमन और दीव	57,011	42,378	74.33	54,816	44,855	81.83
हिमाचल प्रदेश	2,474,430	1,569,632	63.43	2,335,641	1,528,869	65.46
लक्षद्वीप	25,433	21,585	84.87	24,489	21,654	88.42
ओडिशा	15,194,309	11,032,523	72.61	14,001,732	10,499,752	74.99
पंजाब	10,327,116	7,262,625	70.33	9,280,892	6,582,507	70.93
सिक्किम	190,886	158,222	82.89	179,725	150,745	83.88
तमिलनाडु	27,571,785	20,249,949	73.44	27,542,720	20,370,491	73.96
उत्तराखंड	3,751,098	2,268,767	60.48	3,378,841	2,123,123	62.84

बड़े राज्यों में पश्चिम बंगाल ने 82.16 प्रतिशत मतदान कर प्रभावित किया । ओडिशा में 73.75 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 74.47 प्रतिशत, केरल में 73.89 और तमिलनाडु में 73.7 प्रतिशत मतदान हुआ । तथापि, उत्तर प्रदेश और बिहार क्रमशः 58.35 और 56.28 प्रतिशत मतदान के साथ कम मतदान करने वाले राज्यों की श्रेणी में रहे, जिन्होंने केवल जम्मू-कश्मीर जहां 49.52 प्रतिशत मतदान हुआ, से थोड़ा अच्छा प्रदर्शन किया । जम्मू-कश्मीर, जहां भारत में सबसे कम मतदान हुआ है की स्थिति में 2009 में हुए 39.7 प्रतिशत मतदान की अपेक्षा काफी सुधार हुआ है ।

मतदान पैटर्न में लैंगिक आयाम

उत्तरोतर हुए आम चुनावों में पुरून और महिला मतदान में अंतर में कमी देखी जा रही है । 1971 के आम चुनावों , इससे पहले के चुनावों के निर्वाचकों का लिंग आधारित ब्यौरा उपलब्ध नहीं है, में महिला और पुरून मतदान में 10.98 प्रतिशत के भारी अंतर के बाद इन चुनावों में यह अंतर केवल 1.79 प्रतिशत रहा है जो कि अब तक सबसे कम है । इसके बाद 1984 के आम चुनाव में 2.6 प्रतिशत के साथ महिला-पुरून मतदान में अंतर का प्रतिशत सबसे कम रहा ।

व-र् 1971 से महिला-पुरून मतदान का प्रतिशत

आम चुनाव	व-र्	पुरून मतदान का प्रतिशत	महिला मतदान का प्रतिशत	अंतर प्रतिशत में
पांचवां	1971	60.09	49.11	10.98
छठा	1977	65.63	54.91	10.62
सातवां	1980	62.16	51.22	10.94
आठवां	1984 -85	61.2	58.6	2.6
नौवां	1989	66.13	57.32	8.81
दसवां	1991 -92	61.58	51.35	10.23
ग्यारहवां	1996	62.06	53.41	8.65
बारहवां	1998	65.72	57.88	7.84
तेरहवां	1999	63.97	55.64	8.33
चौदहवां	2004	61.66	53.3	8.36
पन्द्रहवां	2009	60.24	55.82	4.42
सोलहवां	2014	67.09	65.63	1.46

चुनाव खर्च

भारत सरकार ने 28 फरवरी, 2014 की अधिसूचना के माध्यम से उम्मीदवारों के लिए चुनाव खर्चों की अधिकतम सीमा में संशोधन किया । संशोधित सीमा के अनुसार, अरूणाचल प्रदेश, गोवा और सिक्किम राज्यों को छोड़कर सभी राज्यों में लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए प्रति उम्मीदवार चुनाव खर्च की अधिकतम सीमा 70 लाख रूपये है । उपरोक्त तीन राज्यों में यह सीमा प्रति उम्मीदवार 54 लाख रूपये है । संघ राज्य क्षेत्रों के संबंध में रा-ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए यह सीमा प्रति उम्मीदवार 70 लाख रूपये है जबकि अन्य संघ राज्य क्षेत्र के लिए यह सीमा प्रति उम्मीदवार 54 लाख रूपये है ।

पहले आम चुनाव से एक निर्वाचक पर सरकारी खर्च में कई गुना वृद्धि हुई है । पहले चुनाव में सरकार ने एक निर्वाचन पर 0.60 रूपये खर्च किए थे जबकि 2009 के आम चुनाव में यह राशि बढ़कर 12 रूपये और 2014 के आम चुनावों में 41.6 रूपये हो गई । व-र् 1951-52 के चुनावों में 10.45 करोड़ रूपये खर्च हुए थे

जबकि 2009 के आम चुनावों में 846.67 करोड़ रूपये और 2014 के आम चुनावों में 3468.73 करोड़ (अनंतिम) की धनराशि खर्च की गई । लोक सभा के सभी आम चुनावों में चुनाव खर्च का ब्यौरा निम्नवत हैः-

लोक सभा चुनावों पर खर्च

वर्ष	**व्यय (करोड़ रूपये में)**	**निर्वाचकों की संख्या**	**प्रति निर्वाचक खर्च (रूपये में)**
1952	10.45	173,212,343	0.6
1957	5.90	193,652,179	0.3
1962	7.32	216,361,569	0.3
1967	10.80	250,207,401	0.4
1971	11.61	274,189,132	0.4
1977	23.04	321,174,327	0.7
1980	54.77	356,205,329	1.5
1984-85$^{\$}$	81.51	400,375,333	2
1989	154.22	498,906,129	3.1
1991-92$^{\#}$	359.10	511,533,598	7
1996	597.34	592,572,288	10
1998	666.22	605,880,192	11
1999	947.68	619,536,847	15
2004	1113.89^(30 राज्यों को अनंतिम आधार पर 679.12 करोड़ रूपये जारी किए गए)	671,487,930	17
2009	846.67 @(35 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को अनंतिम आधार पर 840.15 करोड़ रूपये जारी किए गए)	716,985,101	12
2014	3468.73 !!!(सभी राज्यों को अनंतिम आधार पर 350 करोड़ रूपये जारी किए गए)	834,101,479	41.6

$ 1985 में असम और पंजाब राज्यों में अलग से चुनाव हुए ।

\# 1992 में पंजाब राज्य में अलग से चुनाव हुए ।

^ 23 राज्यों से विधिवत रूप से लेखापरीक्षित व्यय ।

@ 17 राज्यों से विधिवत रूप से लेखापरीक्षित व्यय ।

!!! राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को अतिरिक्त धनराशि जारी किए जाने के लिए अतिरिक्त आवंटन हेतु एक प्रस्ताव वित्त मंत्रालय के विचाराधीन है ।

श्री पी.के.मिश्रा, अपर सचिव और श्री सैयद कफील अहमद, निदेशक की देखरेख में डा. जयदेव साहू, अपर निदेशक और श्रीमती नलिनाक्षी त्रिखा, संयुक्त निदेशक, लोक सभा सचिवालय द्वारा भारत के निर्वाचन आयोग और विधायी विभाग, विधि और न्याय मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के आधार पर संसद सदस्यों के उपयोग और जानकारी हेतु तैयार किया गया । इस बुलेटिन का हिन्दी अनुवाद संपादन और अनुवाद सेवा के निदेशक, श्री नवीन चन्द्र खुल्बे और संयुक्त निदेशक, श्री डी.आर. मेहता के मार्गनिर्देशन में तैयार किया गया ।